प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

समगतिशील रोग प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

पंतनगर। २३ दिसम्बर, २०१७। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित तीन-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आज समापन हुआ। राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र पर डा. ए.के. तिवारी ने मुख्य अतिथि कार्यकारी सचिव, ए.पी.ए.ए.आर.आई, थाइलैंड, डा. आर.के. खेत्रपाल; पूर्व कुलपति राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय पूसा, बिहार, डा. बसंत राम एवं अधिष्ठाता कृषि, डा. जे. कुमार का स्वागत करते हुए, कार्यकारी सचिव, डा. के.पी. सिंह की कार्यक्रम के आयोजन हेतु सराहना की। इसके पश्चात डा. आर.पी. सिंह द्वारा संगोष्ठी का तकनीकी प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसके अन्तर्गत कार्यक्रम का आयोजन पांच तकनीकी चरणों में किया गया, जिनमें देश भर से प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इसके अतिरिक्त प्रो. एम.जे. नरसिहमन मेरिट एकेडमिक अवार्ड व एपीएस स्टूडेन्ट ट्रेवल अवार्ड के लिए विभिन्न शोध प्रस्तुतियां की गयी। इन चरणों में मुख्यतः पादप रोगों के समगतिशील रोग प्रबंधन पर जोर डाला गया, जिसमें परम्परागत व आधुनिक रोग प्रबंधन प्रक्रियाओं के समिश्रण की बात कही गयी।

डा. खेत्रपाल ने कहा कि समगतिशील रोग प्रबंधन, संयुक्त राष्ट्र द्वारा दिये गये १७ लक्ष्यों में से प्रमुख लक्ष्य है, साथ ही किसानों व नीति निर्माताओं को साथ लेकर चलने की बात कही, जिससे शोध कार्य को किसानों तक पहुंचाया जा सके। डा. जे. कुमार ने उत्पाद व उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ कृषक आय बढ़ाने की बात कही। डा. बसंत राम ने विश्वविद्यालय द्वारा अपने गौरवान्वित स्वरूप को बनाये रखने की बात भी कही साथ ही युवा वर्ग को शोध में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। अंत में डा. के.पी. सिंह ने सभी गणमान्य व्यक्तियों, विभागाध्यक्षायों, प्राध्यापकों, प्रतिभागियों, विद्यार्थियों व मीडिया को उनके सहयोग के लिए प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया।

संगोष्ठी के समापन सत्र में अतिथियो का संबोधन करते हुए डा. रवि खेत्रपाल व मंचासीन अतिथि।